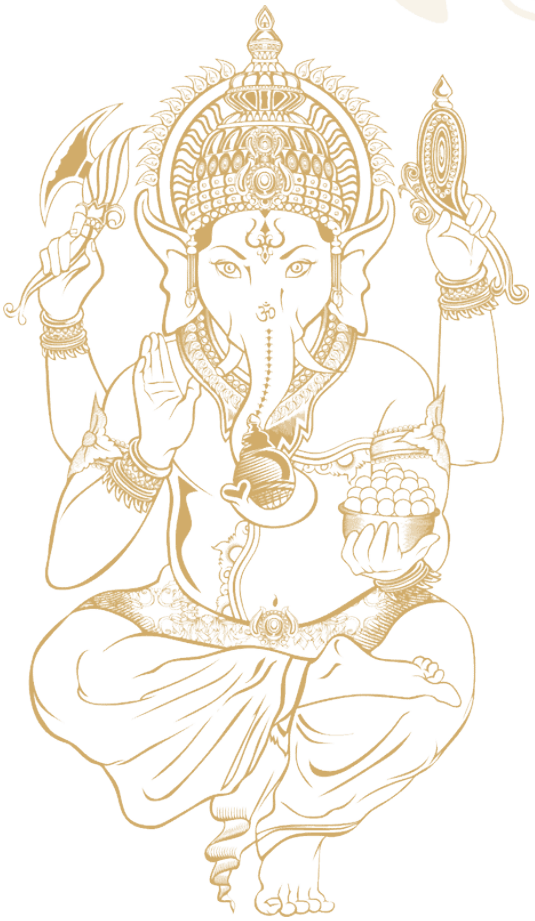

Ketan

Akanksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121083402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/10/1995	जन्म तिथि	05/04/1996
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:08:00	जन्म समय	14:45:00 घंटे
घटी 39:26:48	जन्म समय(घटी)	21:28:18 घटी
India	देश	India
Gangapur	स्थान	Bharatpur
26:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:13:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	77:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:16	सूर्योदय	06:06:36
17:56:13	सूर्यास्त	18:39:20
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:22

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 8मा 7दि		07:37:21	मिथु	लग्न	सिंह	01:02:39	राहु 14वर्ष 7मा 7दि	
गुरु		27:03:25	कन्या	सूर्य	मीन	22:03:50	गुरु	
21/06/2014		05:21:37	मिथु	चंद्र	तुला	09:10:59	12/11/2010	
21/06/2030		01:48:05	वृश्चि	मंगल	मीन	15:18:43	12/11/2026	
गुरु	09/08/2016	11:14:08	कन्या	बुध	मेष	00:39:10	गुरु	30/12/2012
शनि	20/02/2019	18:55:57	वृश्चि	गुरु	धनु	22:32:20	शनि	13/07/2015
बुध	28/05/2021	11:38:08	तुला	शुक्र	वृष	07:51:28	बुध	18/10/2017
केतु	04/05/2022	25:24:09	कुंभ व	शनि	मीन	05:57:18	केतु	24/09/2018
शुक्र	02/01/2025	02:42:53	तुला	राहु	कन्या	23:19:49	शुक्र	25/05/2021
सूर्य	21/10/2025	02:42:53	मेष	केतु	मीन	23:19:49	सूर्य	13/03/2022
चन्द्र	20/02/2027	02:45:15	मक	हर्ष	मक	10:19:04	चन्द्र	13/07/2023
मंगल	27/01/2028	28:59:58	धनु	नेप	मक	03:47:16	मंगल	18/06/2024
राहु	21/06/2030	05:12:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:03:08	राहु	12/11/2026

लग्न-चलित

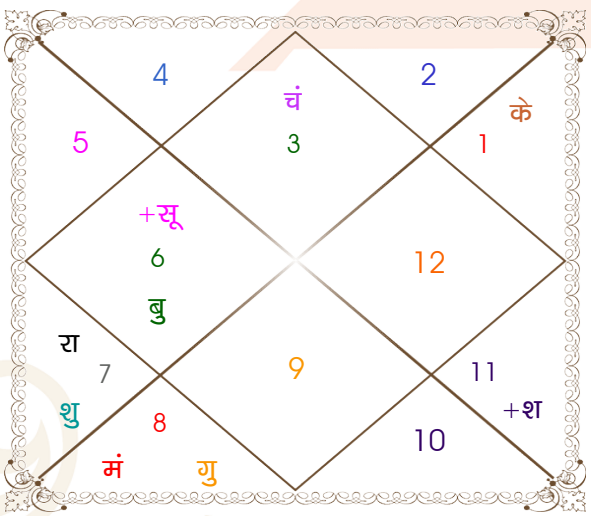

लग्न-चलित

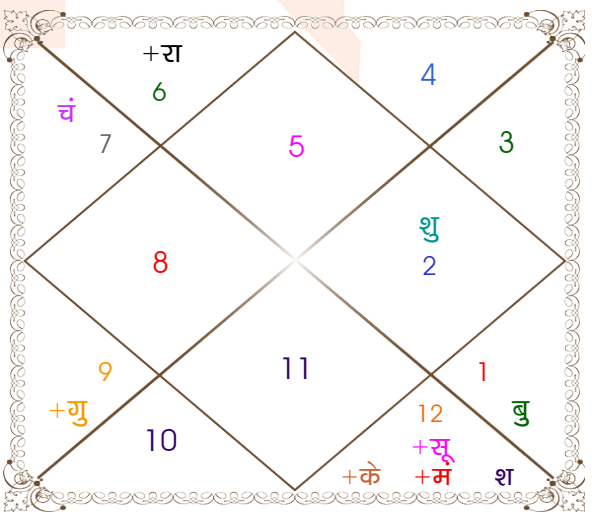

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ketan का वर्ग मार्जार है तथा Akanksha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ketan और Akanksha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ketan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Akanksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akanksha कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ketan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ketan तथा Akanksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।